अध्यक्ष का अभिभाषण

प्रिय शेयरधारकगण,

मुझे, 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की वार्षिक रिपोर्ट आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। यह वर्ष हमारी यात्रा में एक और महत्वपूर्ण अध्याय का रहा है, जो भारतीय विद्युत क्षेत्र में उत्कृष्टता, नवाचार और सतत विकास के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

पिछला वर्ष परिवर्तनकारी और सुखद घटनापूर्ण रहा। जिसमें 26 जनवरी, 2025 को उत्तर प्रदेश में हमारे प्रमुख खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्लांट (एसटीपीपी) की पहली इकाई (660 मेगावाट) चालू हुई। यह उपलब्धि टीएचडीसीआईएल की टीम की इंजीनियरिंग क्षमता और दृढ़ निश्चय को दर्शाती है। इसके साथ ही, कंपनी की कुल संस्थापित क्षमता अब 2,747 मेगावाट हो गई है, जो तापीय और नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में हमारी बढ़ती उपस्थिति और सामर्थ्य का प्रमाण है।

हमने प्रचालन दक्षता, वित्तीय मजबूती और पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। हमारा स्थिरता एजेंडा हमारे कॉर्पोरेट दर्शन में गहराई से अंतर्निहित है – जो जलवायु के प्रति जागरूक परिपाटियों और जिम्मेदार ऊर्जा परिवर्तन पर आधारित है। सामरिक योजना, प्रौद्योगिकी अपनाने और अवसंरचना में निवेश के माध्यम से, हम अपने पर्यावरणीय प्रभाव को कम करते हुए भारत की ऊर्जा माँगों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

हम देश को स्वच्छ और विश्वसनीय ऊर्जा की ओर ले जाने के अपने मिशन में दृढ़ हैं। यह प्रतिबद्धता रूफटॉप सोलर, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) अवसंरचना और पंप स्टोरेज परियोजनाओं जैसे उभरते क्षेत्रों में हमारे प्रवेश से परिलक्षित होती है। दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ, हम इन क्षेत्रों में बड़ी जिम्मेदारियाँ लेने के लिए स्वयं को तैयार कर रहे हैं, नवाचार और दक्षता बढ़ाने के लिए भागीदारों और हितधारकों के साथ सहयोग कर रहे हैं।

मैं इस अवसर पर अपने समर्पित कर्मचारियों और अधिकारियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके अटूट प्रयास और व्यावसायिकता कंपनी की प्रगति को गति प्रदान कर रहे हैं।

भारत का विद्युत क्षेत्र: कायाकल्प का परिदृश्य

पिछले एक दशक में भारत के विद्युत क्षेत्र का विद्युत अभाव से आगे बढ़कर आत्मनिर्भरता की ओर कायाकल्प करना उल्लेखनीय रहा है। देश का विद्युत उत्पादन 5.3% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से लगातार बढ़ा है। देश में संस्थापित उत्पादन क्षमता 31.03.2024 की स्थिति के अनुसार 442 गीगावाट से बढ़कर 31.03.2025 को 475 गीगावाट हो गई।

भारत सरकार विद्युत क्षेत्र के डीकार्बनाइजेशन और जीवाश्म ईंधन से गैर–जीवाश्म ईंधन–आधारित ऊर्जा की ओर रुख करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जो स्वच्छ, सुरक्षित, पर्यावरण के अनुकूल और अधिक टिकाऊ है। इसके अतिरिक्त, भारत 2047 तक ऊर्जा स्वतंत्रता प्राप्त करने और 2070 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऊर्जा सुरक्षा सरकारी पहलों का केंद्र बिंदु बन गई है, जो सतत विकास और जलवायु परिवर्तन के प्रति एक संतुलित दृष्टिकोण को दर्शाती है। विद्युत उत्पादन के सभी तरीकों में विविधीकरण के माध्यम से भारत के विद्युत क्षेत्र में हमारी प्रमुख उपस्थिति है।

अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) में, भारत ने 2030 तक गैर–जीवाश्म ईंधन आधारित संसाधनों से अपनी संचयी विद्युत शक्ति संस्थापित क्षमता का 50% हासिल करने और 2030 तक अपनी अर्थव्यवस्था की उत्सर्जन तीव्रता को 2005 के स्तर से 45% कम करने का लक्ष्य रखा है। देश में हरित क्रांति लाने के लिए, भारत सरकार ने 2030 तक 500 गीगावाट स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) की रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में भारत की नवीकरणीय ऊर्जा में कुल क्षमता मार्च, 2025 में 220 गीगावाट तक पहुंच गई। वर्तमान में, देश में कुल संस्थापित उत्पादन क्षमता में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी 46.31% है। टीएचडीसीआईएल का ध्यान नई तकनीकों और विद्युत क्षेत्र के पारिस्थितिकी तंत्र में नई पेशकशों के माध्यम से नेट जीरो कार्बन की ओर अपनी महत्वाकांक्षी यात्रा में भारत का सहयोग करने पर बना हुआ है।

टीएचडीसीआईएल : हरित और सुदृढ़ भविष्य का निर्माण

मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि टीएचडीसीआईएल जलविद्युत और पीएसपी परियोजनाओं को बढ़ावा देकर भारत में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के विस्तार में योगदान दे रहा है। जलविद्युत/पीएसपी परियोजनाएँ, ग्रिड स्थिरीकरण में सहायक होती हैं और ऊर्जा का एक स्वच्छ रूप हैं। पीएसपी विकास को बढ़ावा देने की सरकार की नीति के अनुरूप, टीएचडीसीआईएल देश भर में कई पंप स्टोरेज परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है, जिससे प्रगति और नवाचार को बढ़ावा मिल रहा है।

भारत के नवीकरणीय ऊर्जा विकास में सहयोग देने के लिए, टीएचडीसीआईएल ने सितंबर, 2024 में महाराष्ट्र सरकार के जल संसाधन विभाग के साथ 6790 मेगावाट की कुल संस्थापित क्षमता वाली पीएसपी परियोजनाओं के विकास हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

इसके अतिरिक्त, टीएचडीसीआईएल ने मार्च, 2025 में छत्तीसगढ़ सरकार और छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीजीसीएल) के साथ छत्तीसगढ़ राज्य के जशपुर जिले के डांगरी में पंप स्टोरेज जलविद्युत परियोजना के लिए संयुक्त उद्यम मोड में समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

टीएचडीसीआईएल अरुणाचल प्रदेश राज्य में जल विद्युत परियोजनाओं के कार्यान्वयन के माध्यम से, लोहित बेसिन के अपस्ट्रीम में चिन्हित परियोजनाओं का कार्यान्वयन कर, पूर्वोत्तर क्षेत्र की जल विद्युत क्षमता के विकास में भी प्रमुख भूमिका निभाएगा।

स्वच्छ भविष्य के लिए, हमारा लक्ष्य हाइब्रिड, फ्लोटिंग सौर, हाइड्रोजन ईंधन परियोजनाओं में अवसरों का लाभ उठाना और पूरे भारत में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों को सुदृढ़ करना है।

वित्त वर्ष 2024–25 में मुख्य निष्पादन विशेषताएं

ऋषिकेश में हरित हाइड्रोजन संयंत्र

मुझे आपको यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि आपकी कंपनी ने वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान लगातार परिणाम दिए हैं और अपने मजबूत बुनियादी सिद्धांतों में सुधार किया है। वित्त वर्ष 2024–25 की प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं।

- खुर्जा एसटीपीपी की पहली इकाई ने 26.01.2025 को वाणिज्यिक प्रचालन शुरू कर दिया है। हमने वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान 660 मेगावाट क्षमता बढ़ाई है। अब आपकी कंपनी की कुल संस्थापित क्षमता 2247 मेगावाट है।

- अमेलिया कोयला खदान ने 18 फरवरी, 2025 को सफलतापूर्वक अपना सीओडी प्राप्त कर लिया, जिससे खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्लांट को आवश्यक कोयला आपूर्ति सुगम हो गई।

- आपकी कंपनी ने वित्त वर्ष 2024–25 के लिए अपने पूंजीगत व्यय लक्ष्यों से लगभग 147.46% बेहतर प्रदर्शन किया है। इस दौरान कंपनी ने 3640.96 करोड़ रुपये के अनुमानित लक्ष्य के मुकाबले 5368.92 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय किया है।

- आपकी कंपनी ने वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान कुल 6077 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया, जो पिछले वर्ष की उपलब्धि अर्थात 4831 मिलियन यूनिट से अधिक है।

- टीएचडीसीआईएल ने अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में 1200 मेगावाट की कलई–।। जल विद्युत परियोजना का कार्यान्वयन शुरू किया है।

अमेलिया कोल माइन 139.48 मीट्रिक टन

- वर्ष 2024–25 के दौरान सकल बिक्री में वित्त वर्ष 2023–24 की तुलना में लगभग 36% की वृद्धि देखी गई है और लाभ में 23% की वृद्धि हुई है।

चल रही परियोजनाओं का कार्य–निष्पादनः

टिहरी विद्युत परियोजना (1000 मेगावाट) की यूनिट–1 और यूनिट–2 क्रमशः 7 जून 2025 और 10 जुलाई 2025 से क्रियाशील हैं। शेष दो इकाइयों के वित्त वर्ष 2025–26 में चालू होने की उम्मीद है।

जनवरी, 2025 में खुर्जा एसटीपीपी की यूनिट–1 के सफल सीओडी के बाद, यूनिट–2 का कार्य वित्त वर्ष 2025–26 में क्रियाशील करने की दिशा में तेजी से अग्रसर है।

विष्णुगाड़ पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना में सभी मोर्चों पर कार्य

तेजी से प्रगति पर है और वित्त वर्ष 2026–27 में इसके चालू होने की उम्मीद है।

सामाजिक सततता के लिए प्रणालियां:

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड सामाजिक सततता की अवधारणा में दृढ़ विश्वास करता है और इसके पक्ष का समर्थन करता है, इस प्रकार सामाजिक समानता, विविधता और समावेश, लोकतांत्रिक भागीदारी, आजीविका सुरक्षा और सामाजिक कल्याण और जीवन की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करते हुए यह समाज के सभी सदस्यों के लिए समावेशी परिणामों का अभ्यास करता है। कंपनी सेवा–टीएचडीसी और टीएचडीसी एजुकेशन सोसाइटी (टीईएस) के माध्यम से कार्यान्वित सुव्यवस्थित सीएसआर पहलों के माध्यम से समावेशी और सतत विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता को कायम रखती है। वर्ष के दौरान प्रमुख गतिविधियों में दूरस्थ टिहरी में एक एलोपैथी औषधालय का संचालन, वंचित बच्चों के लिए स्कूलों का निर्माण, स्वास्थ्य उपकरणों का वितरण, शौचालयों का निर्माण और नवीनीकरण, वाटर कूलर और स्मार्ट कक्षाओं की स्थापना, व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना, सौर स्ट्रीट लाइट की स्थापना, मवेशी शेड और एक मिनी स्टेडियम का निर्माण, इसके अलावा राष्ट्रीय खिलाड़ियों के लिए खेल उपकरण प्रदान करना और टिहरी झील में 35वीं कैनो स्प्रिंट चौंपियनशिप की मेजबानी करना शामिल है। ये पहलें समुदाय विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल एंव सततता की हमारे समेकित दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करती है ।

विवेकानन्द अस्पताल, देहरादून, उत्तराखंड में जीस एक्सटारो 300 प्रणाली

कॉर्पोरेट सुशासन परिपाटियां

टीएचडीसीआईएल में, सुशासन हमारी मूल मान्यताओं में दृढ़ता से निहित है, जो सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ हमारे संचालन का मार्गदर्शन करता है। निदेशक मंडल इस सुशासन संरचना के शीर्ष पर है, जो नैतिक मानकों को बनाए रखने और संगठन को उत्तरदायी एवं सतत विकास की ओर अग्रसर करने में केंद्रीय भूमिका निभाता है।

इसके अतिरिक्त, कंपनी शेयरधारकों, कर्मचारियों, ग्राहकों और समुदाय के साथ खुले और पारदर्शी संचार माध्यमों को बनाए रखते हुए हितधारक जुड़ाव पर जोर देती है। यह समावेशी दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि कंपनी की निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में उनके हितों, प्रतिक्रिया और चिंताओं पर सक्रिय रूप से विचार किया जाए, जिससे उत्तरदायी और सहभागी शासन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और मजबूत होती है।

अनुसंधान एवं विकास:

विद्युत उत्पादन के साथ–साथ, टीएचडीसीआईएल अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है। टीएचडीसीआईएल ने दीर्घकालिक रूप से समाज को लाभ पहुँचाने और उसकी रक्षा करने के उद्देश्य से विभिन्न अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं पर व्यय किया है।

अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं का चयन विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों वाली एक शीर्ष सलाहकार समिति द्वारा किया जाता है। वित्त वर्ष 2024–25 में, टीएचडीसीआईएल द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सरकारी संस्थानों जैसे आईआईटी–रुड़की/एनआईएच–रुड़की/आईआईटी–दिल्ली/आईआईटी–कानपुर/टीसीआईएल–दिल्ली/सीपीआरआई –बेंगलुरु आदि की सहायता से कुल 19 अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएँ क्रियान्वित की गई। अभिचिन्हित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं में बायोमास से ग्रीन हाइड्रोजन और बायो–चार का सह–उत्पादन, गंगा जल का उपयोग करके सेगाणुरोधी प्रतिरोधी बैक्टीरिया के विरुद्ध चरणबद्ध रणनीति विकसित करना आदि जैसी विभिन्न क्षेत्रों की परियोजनाएँ शामिल थीं। टीएचडीसीआईएल विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में न केवल एक वाणिज्यिक इकाई के रूप में कार्य कर रहा है, बल्कि मानवता के लिए भी कार्य कर रहा है।

भारत के महत्वाकांक्षी ऊर्जा लक्ष्यों को पूरा करने की ओर प्रतिबद्धता

भारत विश्व में बिजली का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। विद्युत, अवसंरचना के बुनियादी घटकों में से एक है, जो देश के आर्थिक विकास को परिभाषित करती है। उत्पादन क्षमता बढ़ाने, संसाधन आवंटन को अनुकूलित करने और नीतियों को लागू करने की प्रतिबद्धता देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में सहायक रही है।

भारत की नवीकरणीय ऊर्जा यात्रा वास्तव में महत्वाकांक्षी है और नेट–ज़ीरो की ओर निरंतर आगे बढ़ना एक परिवर्तनकारी बदलाव साबित हो रहा है। अनुमान है कि 2047 तक कुल स्थापित क्षमता में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का योगदान 80% होगा। भारत अभूतपूर्व पैमाने पर स्वच्छ ऊर्जा का दोहन करने के लिए सामरिक कदम उठा रहा है। विस्तारित हो रहा नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र विकास की

टीएचडीसीआईएल वॉटर स्पोर्ट्स हाई परफार्मेंस ऐकेडमी, कोटेश्वर

आशाजनक संभावनाएँ प्रस्तुत करता है। स्थानीय विनिर्माण और अनुसंधान एवं विकास निवेश को बढ़ावा देने से नवाचार और उद्योग विकास के नए रास्ते खुलेंगे और विद्युत क्षेत्र के विकास को बढ़ावा मिलेगा।

फ्लोटिंग सोलर संस्थापना में सफलताओं के साथ, सौर और पवन जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत अधिक कुशल और लागत प्रभावी होते जा रहे हैं। टीएचडीसीआईएल नई परियोजनाओं और सामरिक साझेदारियों के माध्यम से महत्वपूर्ण विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह भारत के ऊर्जा भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।

आभार

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के निदेशक मंडल की ओर से, मैं अपने सभी हितधारकों, व्यापार भागीदारों, ग्राहकों, एनटीपीसी, केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग (सीईआरसी), केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए), केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी), लोक उद्यम विभाग (डीपीई), भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी), बाम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई), नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई), बैंकर्स, वित्तीय संस्थानों, अन्य व्यवसाय निकायों, राज्य सरकारों और भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विशेष रूप से विद्युत मंत्रालय, को समीक्षाधीन वर्ष के दौरान उनकी ओर से प्रदान किए गए बहुमूल्य मार्गदर्शन और हमारे प्रयासों में सहायता के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं।

मैं बोर्ड के सम्मानित सदस्यों, होल्डिंग कंपनी अर्थात एनटीपीसी लिमिटेड और वरिष्ठ प्रबंधन टीम को उनके अमूल्य योगदान और व्यावहारिक सुझावों के लिए हार्दिक धन्यवाद देता हूँ और सराहना करता हूँ। मैं टीएचडीसीआईएल की पूरी समर्पित टीम द्वारा प्रदर्शित प्रतिबद्धता के लिए भी हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहता हूँ, जिसके परिणामस्वरूप कंपनी ने वर्ष के दौरान कई उपलब्धियाँ हासिल की। उत्कृष्टता, नवाचार और ऊर्जा विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता वास्तव में सराहनीय है।

टीएचडीसीआईएल परिवार की ओर से, मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि आपकी कंपनी आपकी अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए अथक प्रयास और प्रतिबद्धता जारी रखेगी। आपके साथ काम करने का अवसर पाकर मैं गौरवान्वित हूँ। अंत में, हम अपने शेयरधारकों को हमारी विकास कार्यनीतियों और नेतृत्व में दिखाए गए विश्वास के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं।

शुभकामनाओं सहित

ह0 / —
(राजीव कुमार विश्नोई)
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
डीआईएन: 08534217

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 27.09.2025

मॉर्निंग ग्लोरी के साथ टिहरी जलाशय का दृश्य